Date:- 20-12-2023
Dainik Bhaskar, Page-02 Surat

**मेट्रो लाइन-1 • ₹346 करोड़ से ड्रीम सिटी में 2.10 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में बन रहा है मेंटेनेंस डिपो**

# आकार लेने लगा मेट्रो डिपो, सब कंस्ट्रक्शन वर्क पूरा, सबसे पहले यहीं आएंगे मेट्रो ट्रेन के रेक

**भास्कर एक्सक्लूसिव**

लवकुश मिश्रा | सूरत

सूरत मेट्रो रेल का काम तेज रफ्तार से चल रहा है। इसके साथ ही लाइन-1 का मेंटेनेंस डिपो ड्रीम सिटी, खजोद में बन रहा है। 2.10 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में लगभग 346 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे इस मेंटेनेंस डिपो के सभी सब-कंस्ट्रक्शन कार्य 100 फीसदी पूरे कर लिए गए हैं। बाउंड्री वर्क भी हो चुका है। मेंटेनेंस डिपो में व्हील प्रोफाइलिंग, इंस्पेक्शन और टेस्टिंग होगी। गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) द्वारा जहां एक तरफ लाइन-1 में तेजी से एलिवेटेड और अंडरग्राउंड रूट बनाने का काम किया जा रहा है, वहीं मेट्रो ट्रेनों के रखरखाव व मरम्मत के लिए मेंटेनेंस डिपो का निर्माण भी किया जा रहा है। मेट्रो रेल डिपो में अब वॉशिंग लाइन का कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

डिपो में मेट्रो ट्रेन के लिए स्टेब्लिंग लाइन, पिट लाइन, शेड आदि का काम भी चल रहा है। मेट्रो ट्रेनों की मरम्मत के लिए यहां अत्याधुनिक उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। **भास्कर ने ड्रीम सिटी में बन रहे मेट्रो डिपो के निर्माण स्थल की विजिट की और वहां हो रहे काम को नजदीक से देखा।** प्रशासनिक भवन बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही वॉशिंग लाइन, हैवी क्लीनिंग लाइन के लिए शेड बनाने का काम प्रगति पर है। इसके अलावा जहां-जहां ट्रैक बिछाए जाएंगे, वहां मार्किंग कर सब-कंस्ट्रक्शन कार्य पूरे किए हैं।

## प्रशासनिक भवन हो रहा तैयार, दिसंबर 2024 तक मेट्रो डिपो तैयार करने का लक्ष्य

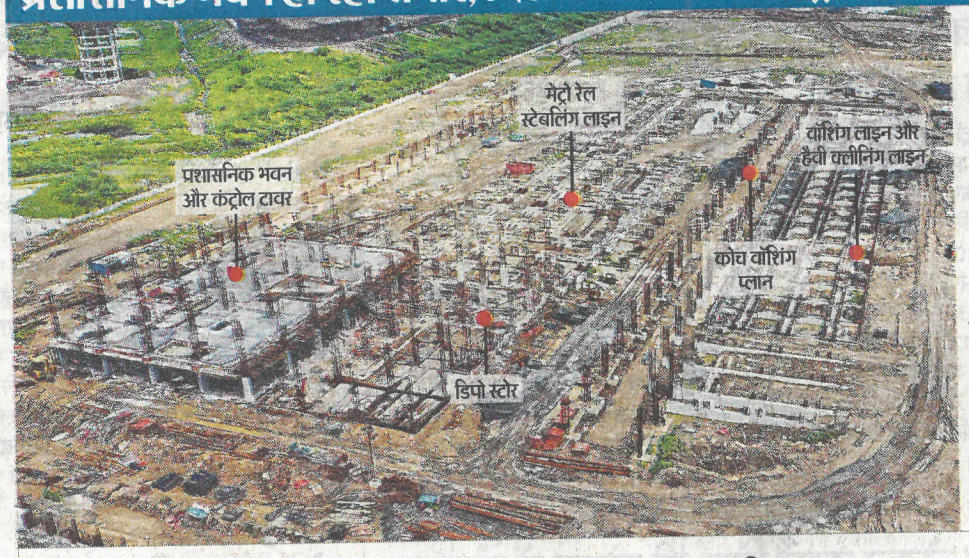


### मेट्रो डिपो के लिए पिछले साल शुरू की थी कवायद

उल्लेखनीय है कि सूरत मेट्रो डिपो बनाने के लिए 22 जून 2022 को 8 कंपनियों ने बोली लगाई थी। इन 8 कंपनियों में आईटीडी सेमेंटशन 334.13 करोड़ की बोली लगाकर सबसे लोवेस्ट बिडर बनी थी। लाइन-1 में ड्रीम सिटी से सरथाणा तक 21.6 किमी का रूट है, जिसमें 14 एलिवेटेड और 6 अंडरग्राउंड स्टेशन हैं। मेट्रो ट्रेनों के लिए मेंटेनेंस डिपो बन रहा है। इस मेट्रो डिपो का निर्माण अगले एक साल में पूरा किया जाना है।

**मेट्रो रेल डिपो में होंगी ये सुविधाएं** | ▪ मेट्रो ट्रेनों को पार्क करने के लिए स्टेब्लिंग लाइन बनाई जाएगी ▪ शेड्यूल इंस्पेक्शन लाइन ▪ वर्कशॉप ▪ ट्रेनों की ओवरहालिंग ▪ अनशेड्यूल मेंटेनेंस ▪ व्हील प्रोफाइलिंग ▪ इंस्पेक्शन ▪ मेट्रो ट्रेनों की टेस्टिंग

### अब तक पूरे किए गए कार्य

- सभी सब-कंस्ट्रक्शन कार्य 100% पूरे
- डिपो स्टोर का फाउंडेशन वर्क
- एडमिन बिल्डिंग का फर्स्ट फ्लोर
- कंट्रोल टॉवर का फर्स्ट फ्लोर
- सॉइल फिलिंग व बॉउंड्री का 98% वर्क

### वर्तमान में चल रहे कार्य

- 2 वॉशिंग लाइनें बनाई जा रही हैं।
- 1 हैवी क्लीनिंग लाइन बन रही है।
- कोच वॉशिंग प्लांट का काम
- डिपो में एंट्री के लिए 1 लाइन बन रही
- मेट्रो भवन के सुपर स्ट्रक्चर का कार्य

### दिसंबर 2024 तक 24 सेट ट्रेन के आने की संभावना

मेट्रो रेल के अधिकारियों ने बताया कि सूरत मेट्रो लाइन-1 का डिपो बनाया जा रहा है। इसमें लगभग 8 से ज्यादा स्टेब्लिंग लाइन होंगी, जिस पर सूरत मेट्रो रेक पार्क होंगे। यहां मेट्रो ट्रेन रोलिंग स्टॉक के लिए कॉरिडोर बनाया जाना है। जिसमें मरम्मत की जाएगी। साथ ही ट्रैक, बिल्डिंग, जलापूर्ति, ट्रैक्शन, सिग्नलिंग और टेलीकॉम का भी काम किया जा रहा है। शुरू में तीन कोच लंबी मेट्रो ट्रेनों की मरम्मत की सुविधाएं शुरू होंगी। गौरतलब है कि इसी साल जून में सूरत मेट्रो के लिए गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने टीटागढ़ वैगन लिमिटेड को सूरत मेट्रो के लिए तीन-तीन कोच वाली कुल 24 सेट ट्रेन का ऑर्डर दिया है, जिसकी डिलीवरी अगले साल के अंत तक होनी है।